प्रेस विज्ञप्ति

भाकृअनुप–केन्द्रीय आलू अनुंसधान संस्थान ने **"**आलू की उन्नत खेती**"** विषय पर 12–14 सितम्बर, 2016 को एक तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम परियोजन निदेशक (आत्मा) खेड़ा द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में जिला खेड़ा गुजरात से आए 11 प्रगतिशील किसानो ने भाग लिया। उन्हे संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा आलू से जुड़े हर पहलू पर विस्तार से जानकारी दी गई। सबसे पहले संस्थान के निदेशक डॉ. एस. के. चक्रवर्ती द्वारा **"**भारत के आलू**"** विषय पर आलू के स्वरूप, आगमन इसके इतिहास व आज देश में आलू की स्थिती के बारे में पूर्ण रूप से अवगत कराया गया। तद्पश्चात तीन दिनो में विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के लिए आलू की भारतीय किस्में एव उनका विकास, आलू में अन्तः सस्य क्रियाएं एवं खरपतवार तथा उनका नियन्त्रण, परम्परागत एवं उच्च तकनीक द्वारा बीज आलू उत्पादन, आलू की फसल में कीट प्रबन्धन, भारत में आलू प्रसस्करण उघोग, आलू जल प्रबन्धन एवं जैविक खेती, बीज आलू के वायरस, फफूंद व शाकाणु रोग एवं उनका प्रबन्धन तथा आलू भण्डारण, आलू प्रसंस्करण एवं उत्पाद जैसे अति महत्वपूर्ण विषयों के बारे में बताया गया। साथ ही इन्हे संस्थान के कुफरी स्थित केन्द्र का भ्रमण भी करवाया गया जहां इन्हे व्यवहारिक रूप में क्षेत्र प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद किसानो को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया।